

◆ 贺普仁◎总主编

ZHONGHUA ZHENJIU BAOKU  
HEPUREN LINCHUANG DIANPING BEN

中华针灸宝库  
贺普仁临床点评本

针灸集书

针灸问对

针灸节要

北京科学技术出版社

明卷

6

# 针灸集书



郭静 张昶 点评  
杨光 张永臣 点校  
(明)杨珣 编著

## 《针灸集书》序

岁在壬申，都察院右副都御史古并耿公奉命来镇关陕，便宜行事。政暇，集珣谓曰：用药必先明脉理，针灸在乎知穴法，此医道之当然。脉理穴法虽在人身，而其治法具载于方书，用之者要当察之真、体之切，庶不失位而误人也。一或讹舛则脉理不明，孔穴不真，用药针灸徒为人害，欲疾之瘳者难矣。尝观《素问》有云：小针之要，易陈而难入。斯言至矣。而东嘉王叔权《资生经》固详，其间于十二经络中穴有列于正则偃伏之下者，使学者罔知经分。知子由太医院出，亲灸当代名人，博览群籍，必得其旨要。尝著《伤寒撮要》等书已行于世，子何不详考诸说，立成经络起止，绘图分注，腧穴各归所属经，分类而集之，不惟使后学者有所持循，而济世利人之功亦莫大于此也。珣既承教，不敢固辞，乃取《素问》、《铜人》诸书，参互考订，分为经络起止、灌注交会、腧穴寸数、度量取穴之法，与夫针灸补泻、治病腧穴，次韵括诀，悉类而集之；于正侧偃伏所载之穴，各附本经，兼督、任二脉之穴，绘于图像，举始见终，观者了然心目。集为一帙，凡二卷，名之曰《针灸集书》。

呈藁间，公被召还朝。乙亥，公复镇陕右，珣遂具录以呈，公乃披而喜曰：子之集此书，深契前贤之心，亦之发其蕴奥，又且简明，易于检阅，诚有益于世也。于是始禀命工锲梓以传，欲人之获睹是书，资之而有以全其生焉，其用心亦仁矣。珣但愧闻见之不广，采取之未备。凡我同志览其讹缺，详加订正，庶几脉理穴法而无妄举臆度之失，济世卫生不无小补云。书成，因纪述作之意于卷端。

# 目 录

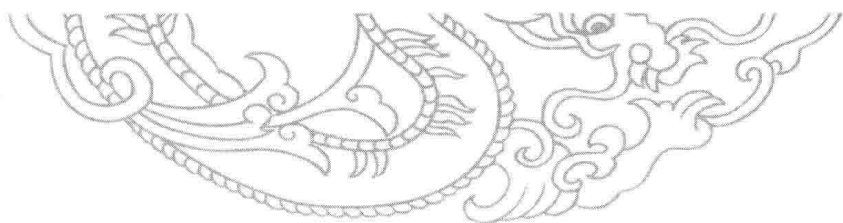
|                   |     |
|-------------------|-----|
| 卷之上 .....         | (1) |
| 腧穴治病门类 .....      | (1) |
| 中风 .....          | (1) |
| 中风不语、口噤、口眼喎 ..... | (1) |
| 偏枯 .....          | (2) |
| 口喎症 .....         | (2) |
| 舌强、吐舌、重舌 .....    | (2) |
| 手指挛 .....         | (2) |
| 足麻痹 .....         | (2) |
| 脚气 .....          | (2) |
| 虚损 .....          | (2) |
| 消渴 .....          | (3) |
| 膀胱气 .....         | (3) |
| 诸疝 .....          | (3) |
| 淋瘕 .....          | (4) |
| 小便不通 .....        | (4) |
| 小便五色 .....        | (4) |
| 梦遗失精白浊 .....      | (4) |
| 大便不通 .....        | (4) |
| 大小便不通 .....       | (4) |
| 小便不禁 .....        | (4) |
| 泄泻 .....          | (5) |
| 飧泄 .....          | (5) |
| 溏泄 .....          | (5) |
| 肾泄 .....          | (5) |
| 痢疾 .....          | (5) |
| 便血 .....          | (5) |
| 痔漏 .....          | (5) |
| 霍乱转筋 .....        | (6) |
| 霍乱吐泻 .....        | (6) |
| 呕吐干呕 .....        | (6) |
| 喜唾 .....          | (6) |
| 反胃 .....          | (6) |
| 疟疾 .....          | (6) |

|        |      |
|--------|------|
| 心痛     | (7)  |
| 心惊     | (7)  |
| 心喜笑并健忘 | (7)  |
| 嗜卧     | (7)  |
| 不卧     | (7)  |
| 癫狂癫邪   | (7)  |
| 中癩痢瘰疬  | (7)  |
| 癩疾     | (8)  |
| 惊痫风痫   | (8)  |
| 风痉角弓反张 | (8)  |
| 痰涎     | (8)  |
| 呕血唾血   | (8)  |
| 气喘     | (8)  |
| 咳嗽     | (9)  |
| 欬逆     | (9)  |
| 少气     | (9)  |
| 贵豚气    | (9)  |
| 疹癖     | (9)  |
| 癥癖     | (9)  |
| 积聚     | (9)  |
| 积气     | (10) |
| 腹痛     | (10) |
| 腹满胀    | (10) |
| 鼓胀     | (10) |
| 水肿     | (10) |
| 胸胁痛    | (10) |
| 背痛     | (10) |
| 臂痛     | (10) |
| 脚肿     | (11) |
| 腰痛     | (11) |
| 耳鸣     | (11) |
| 耳聋     | (11) |
| 牙疼     | (11) |
| 鼻衄     | (11) |
| 喉痹     | (11) |
| 颈项强    | (11) |
| 头风头痛   | (11) |
| 头旋     | (12) |
| 伤寒阴毒   | (12) |
| 发背     | (12) |
| 痲节风    | (12) |
| 妇人血气痛  | (12) |



|                      |      |
|----------------------|------|
| 血崩 .....             | (12) |
| 难产 .....             | (12) |
| 赤白带下 .....           | (13) |
| 瘰疬 .....             | (13) |
| 长桑君天星秘诀 .....        | (13) |
| 针灸杂法 .....           | (13) |
| 马丹阳天星十一穴并治杂病穴歌 ..... | (13) |
| 治杂病十一证歌 .....        | (14) |
| 偏正头风歌 .....          | (14) |
| 头风眼痛牙疼歌 .....        | (14) |
| 四肢无力眼涩难开歌 .....      | (14) |
| 左瘫右痪歌 .....          | (14) |
| 五种疟疾歌 .....          | (14) |
| 湿痹腿膝痛歌 .....         | (15) |
| 膝劳疼歌 .....           | (15) |
| 八法穴治病歌 .....         | (15) |
| 内关穴 .....            | (15) |
| 公孙穴 .....            | (15) |
| 外关穴 .....            | (15) |
| 临泣穴 .....            | (15) |
| 列缺穴 .....            | (15) |
| 照海穴 .....            | (15) |
| 后溪穴 .....            | (15) |
| 申脉穴 .....            | (15) |
| 《九针十二原》并解 .....      | (15) |
| 《官针》解 .....          | (16) |
| 九针论 .....            | (17) |
| 刺禁 .....             | (17) |
| 子午补泻歌 .....          | (18) |
| 针法歌 .....            | (18) |
| 行针补泻法 .....          | (18) |
| 论真气法 .....           | (18) |
| 迎随补泻法 .....          | (18) |
| 经络取源法 .....          | (18) |
| 真言补泻手法 .....         | (19) |
| 补法 .....             | (19) |
| 泻法 .....             | (19) |
| 泻必用方 .....           | (19) |
| 补必用员 .....           | (19) |
| 呼吸补泻法 .....          | (19) |
| 针灸须药 .....           | (19) |
| 气血问答 .....           | (19) |

|                       |      |
|-----------------------|------|
| 孔穴相去 .....            | (20) |
| 定发际 .....             | (20) |
| 论同身寸 .....            | (20) |
| 点穴法 .....             | (21) |
| 论壮数多少 .....           | (21) |
| 点艾火 .....             | (21) |
| 治灸疮 .....             | (21) |
| 忌食物 .....             | (21) |
| 避人神等 .....            | (21) |
| 针灸吉日 .....            | (22) |
| 忌针灸 .....             | (22) |
| 十干忌 .....             | (22) |
| 推吉凶日 .....            | (22) |
| 忌针灸日 .....            | (22) |
| 尻神起例 .....            | (22) |
| 十二部人神 .....           | (22) |
| 九部人神 .....            | (22) |
| 月内人神所在之图 .....        | (22) |
| 日人神歌 .....            | (23) |
| 气穴所发各有处名 .....        | (23) |
| 缪刺巨刺，何以别之 .....       | (24) |
| 刺荣无伤卫，刺卫无伤荣，何谓也 ..... | (24) |
| 小易赋 .....             | (25) |
| <b>卷之下</b> .....      | (27) |
| 手足十二经并督任膻穴目录 .....    | (27) |
| 手太阴肺经穴 .....          | (27) |
| 手阳明大肠经穴 .....         | (27) |
| 足阳明胃经穴 .....          | (27) |
| 足太阴脾经穴 .....          | (27) |
| 手少阴心主经 .....          | (27) |
| 手太阳小肠经 .....          | (27) |
| 足太阳膀胱经穴 .....         | (27) |
| 足少阴肾经穴 .....          | (28) |
| 手厥阴心包络经 .....         | (28) |
| 手少阳三焦经 .....          | (28) |
| 足少阳胆经穴 .....          | (28) |
| 足厥阴肝经穴 .....          | (28) |
| 督脉穴 .....             | (28) |
| 任脉穴 .....             | (28) |
| 经络起止膻穴交会图解 .....      | (28) |
| 灵枢经·经脉篇 .....         | (30) |



## 卷之上

### [ 腧穴治病门类 ]

#### 中 风

治中风眼戴上及不能语者，灸第二椎、第五椎上各十壮，齐下火，立差。

凡人未中风一两月前，或三五月前，非时足胫上忽酸重痹麻，良久方解，此将中风之候，急灸三里、绝骨四处三壮；后用葱、薄荷、桃柳叶，煎汤淋洗，驱逐风气于疮口出。灸疮，春较秋灸，秋较春灸，常令两脚有疮为妙。

百会、耳前发际、肩井、风市、三里、绝骨、曲池，此七穴治中风语言蹇涩、半身不遂或口眼喎斜，可齐下火。如风在左灸右，风在右灸左，神效，不能具录。

百会、曲鬓、肩颞、曲池、风市、足三里、绝骨，共十三穴，治风中藏，气塞涎上，不语极危者，下火立效。其状觉心中愤乱，神思不怡，或手足痹麻，此将中藏之候。不问风与气，但依次自上及下各灸五壮或七壮。若素有风人，灸之以泄风气，可保〔无虞〕。

百会、风池、大椎、肩井、曲池、间使、足三里、听会、颊车、地仓、肩颞，已上穴皆治中风，无分中府中藏，可选而灸之，立效。

《集效方》云：治风莫如续命、防风、排风之类，如减用之，可扶助疾病；若救危急必火艾为良。此论亦当。

又有患风，医以青州白丸子、排风、续命、

四物汤、黄耆建中汤、术附汤、嘉禾散，各为一处，同和分数〔服〕。生姜五片，枣三枚，水一碗，煎服，皆效。周户传三汤四散子：用四君子、排风、续命、嘉禾、急风、正气、匀气散，一切风气无不效。

解益以医风名，其进沉香半夏汤方云：夫人中风，心肾俱虚，百脉皆乱，气散血凝，若使便服金银、朱砂、脑、麝凉药，则手足不举，经络遂死。又丹溪云：引风入骨髓，便服生附子，则益发虚热，转不能语，或下鲜血，故成废疾。善治风者，当先调气益心，去痰醒脾，然后治风，十愈八九：用泡附子一只，沉香等分，人参半两，半夏二钱，南星一钱，各汤洗七次，为粗末，每服二大钱，水一钟半，姜十片，煎，空心稍热服，神效。其论治风有理，故附于此。

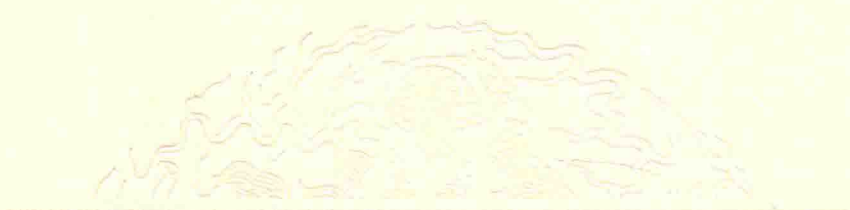
#### 中风不语、口噤、口眼喎

脾风占候，声不出，或上下手，当灸手十指头，次灸人中穴，灸大椎，次两耳门前脉去耳门上下行一寸是。

《巢源》云：脾脉络胃，夹咽，连舌本，散舌下；心之别脉系舌本。心脾受风邪，故舌强不语。三阳之筋并络入颌颊，夹于口，诸阳为风寒所客，则筋急，故口噤不开。


治卒中风口眼喎，苇筒长五寸，以一头刺耳孔中，四畔以面密塞，勿令泄气，一头内大豆一颗，并艾烧令燃，灸七壮，差。右灸左，左灸右，甚效，耳病亦灸之。





本套丛书由国家级非物质文化遗产传统医药项目代表性传承人、国医大师、全国名老中医、著名针灸学家贺普仁教授担任总主编，汇集近百位业内顶尖中医针灸文献专家及针灸临床专家担当顾问、副主编及编委，历时七年，共同完成。

本套丛书共收录我国明清时期的针灸专著及针灸相关著作97种，按原书成书时间结集，分明、清两卷，共30分册，每一种书均包括原文及点评两部分。



ISBN 978-7-5304-6126-6



9 787530 461266 >

定价：2790.00元  
(全15册)